


14-7-23

बार-बार भावाज लगवने के बाद भी न तो अपीलॉर न ही अपीलॉर अधिवक्ता उपस्थित हुये। रैस्पोंडेंट उपस्थित। पत्रावली अदम साधरी अफम पैरवी में खागिज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार की जात्रर नम्बर से कम की जावे। वाह पावला दाखिल दफ्तर ही।


धूम्र अधिकारी
राजस्थान अधिवक्ता
भरतपुर जिल्ला दफ्तर